SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Affiliated to the University of Mumbai

Programme: Humanities

HINDI (Major and Minor)

T.Y.B.A

Syllabus for the Academic Year 2025-2026

Based on the National Education Policy 2020

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE DETAILS FOR MAJOR

	SEMESTER 5			SEMESTER 6		
TITLE	**हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल**	**साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार**	**हिंदी साहित्य : कुछ चयनित कृतियाँ**	**हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल**	**भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण**	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य**
TYPE OF COURSE DSC	DSC	DSC	DSC	DSC	DSC	DSC
CREDITS	4	4	4	4	4	4

COURSE DETAILS FOR: DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE

	SEMESTER 5		SEMESTER 6	
TITLE	**हिंदी साहित्य की वैचारिक अन्तर्धाराएँ**	**विमर्श साहित्य**	**हिन्दी साहित्य :विविध विमर्श**	**प्रवासी साहित्य**
TYPE OF COURSE DSE	**DSE**	**DSE**	**DSE**	**DSE**
CREDITS	4	4	4	4

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

COURSE DETAILS FOR MINOR:

	SEMESTER 3	SEMESTER 4
TITLE	**हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ**	**कार्यालयीन हिंदी**
TYPE OF COURSE **DSC/DSE**	DSC	DSC
CREDITS	4	4

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास के व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियाँ एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद , विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढ़ाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रुचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्यशास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधों के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधों के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि के विचारों का हिंदी साहित्य पर पड़ा प्रभाव दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किये गए हैं |

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	साहित्य मानवीय चित्तवृत्तियों का प्रतिबिम्ब होता है उसमें समाज की विकृतियों, संवेदनाओं एवं परिस्थितियों को चित्रित किया जाता हैं, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक सजगता निर्माण करना और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना |
PO 2	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध कथा-कहानियों, रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का परिचय कराना |
PO 3	साहित्य की विविध विधाओं का पठन-पाठन करते हुए विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना और साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना |
PO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना| विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना।
PO 5	प्रयोजनमूलक एवं जनसंचार के विविध माध्यमों के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना। |
PO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुभव, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम करना और साथ ही उनमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |
PO 7	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, प्रमुख कवियों और रचनाकारों से परिचित करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों और सामाजिक समस्याओं से सजग करना |
PO 8	भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न आयामों जैसे कि रस, अलंकार और छंद का अध्ययन करके काव्य की सुंदरता और भावों की समझ निर्माण करना साथ ही साहित्यिक सौंदर्य, कला एवं वैचारिक मूल्यों की छात्रों को जानकारी देना |
PO 9	भाषा विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी की जानकारी देकर उन्हें व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम बनाना|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज से परिचित होंगे |
PSO 2	अन्य गद्य विधाओं के पठन-पाठन एवं चरित्रों को पढ़ने से विद्यार्थी उनमें व्यक्त भावों को समझ कर जीवन में उतारने के लिए सक्षम होंगे| अपने प्राप्त कौशल से जीवन की विविध चुनौतियों का सामना करने को तैयार रहेंगे |
PSO 3	उपन्यास के पठन - पाठन से संघर्षमयी जीवन से परिचित होंगे और सैद्धांतिक मूल्यों को जान पाएँगे तथा भविष्य में अपने जीवन में उनका अमल कर पाएंगे |
PSO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा, काव्य रस, संवेदना और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 5	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों को मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, ब्लॉगर साथ ही - हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन, और व्यावहारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उसमें वर्णित पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवीय, नैतिक, सामाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।

PSO 7	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे प्रेरणादायक कविताएँ और रोचक कथाओं के माध्यम से छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी और वे जीवन में साहित्य के महत्व को समझ कर रचनात्मक कौशल में विकास करेंगे |
PSO 8	पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में सैन्धान्तिक मूल्यों का विकास होगा तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत होने से छात्रों को न केवल शुद्ध भाषा की जानकारी होगी बल्कि तकनीकि क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ छात्रों के समक्ष निर्माण होगी ।
PSO 9	विद्यार्थी भारतीय काव्य परम्परा से अवगत होंगे और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी |

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities Hindi Major 7	**Semester – 5**
Course Title: हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल एवं मध्यकाल	**Course Code: AHIN357MJ**

COURSE OBJECTIVES:

1. हिंदी साहित्य की दीर्घ परम्परा, जो सातवीं -आठवीं शताब्दी से शुरू होती है, उससे छात्राओं को परिचित कराना | इसके अंतर्गत हिंदी साहित्य का इतिहास, उसके नामकरण और काल विभाजन की समस्याओं पर विचार करने के साथ-साथ हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराएँ और उनकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी देना |
2. आदिकालीन राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन सिद्ध दर्शन, नाथ दर्शन , जैन दर्शन और रासो साहित्य की वीर रस से पूर्ण कविताओं की विशेषताओं को उजागर कराना, तत्कालीन भाषा जैसे अपभ्रंश, डिंगल-पिंगल आदि का संज्ञान कराना और तत्कालीन कवियों और उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय देकर दरबारी वातावरण का ज्ञान देना |
3. भक्तिकाल की राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय देकर भक्ति का महत्त्व समझाना | भक्तिकालीन विभिन्न धाराएँ जैसे संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य और कृष्णभक्ति काव्य की विशेषताओं का अध्ययन कराते हुए, सगुण और निर्गुण भक्ति का अंतर समझाना | भक्तिकाल के संत कवि कबीर, जायसी, तुलसीदास एवं सूरदास आदि की कविताओं की विशेषताओं से परिचित कराना |
4. रीतिकाल की राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय देते हुए, सामंती परम्परा का संज्ञान देना और दरबारी काव्य की विशेषताओं द्वारा श्रृंगार, वीर, भक्ति आदि रसों से अवगत कराना | रीतिकालीन अंतर्धाराएँ जैसे रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य की विशेषताओं से परिचित कराना

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास क्रम से हिंदी साहित्य की दीर्घ परम्परा, जो सातवीं -आठवीं शताब्दी से शुरू होती है, उससे छात्राएँ परिचित होंगी | वे साहित्यिक चेतना का विस्तार समझ पाएंगी, साहित्य के जड़ों को पहचान पाएंगी |
2. आदिकालीन राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन सिद्ध दर्शन, नाथ दर्शन, जैन दर्शन और रासो साहित्य की वीर रस से पूर्ण कविताओं की विशेषताओं को छात्राएँ समझ पाएंगी| तत्कालीन भाषा जैसे अपभ्रंश, डिंगल-पिंगल आदि का उन्हें संज्ञान होगा और भाषा के विकास को समझेंगी | तत्कालीन कवियों और उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय पाकर दरबारी वातावरण से परिचित होंगी |
3. भक्तिकाल की राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय पाकर भक्ति का महत्त्व समझेंगी | भक्तिकालीन विभिन्न धाराएँ जैसे संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य और कृष्णभक्ति काव्य की विशेषताओं का अध्ययन कर सगुण और निर्गुण भक्ति का अंतर जान पाएंगी | भक्ति की प्रासंगिकता का अनुभव करेंगी और उनमें अध्यात्मिक चेतना का विकास होगा |
4. रीतिकाल की राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय प्राप्त कर रीतिकालीन काव्य का आस्वादन करेंगी | सामंती परम्परा का संज्ञान होगा | दरबारी काव्य के श्रृंगार, वीर, भक्ति आदि रसों से अवगत होंगी | रीतिकालीन अंतर्धाराएँ जैसे रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 नामकरण और काल विभाजन	1.1	हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन एवं परम्परा |
	1.2	काल विभाजन और नामकरण |
	1.3	काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ |
इकाई 2 आदिकाल	2.1	आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि |
	2.2	सिद्ध और नाथ साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।
	2.3	जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।
इकाई 3 भक्तिकाल	3.1	भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
	3.2	संत काव्यधारा एवं सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।
	3.3	राम भक्तिकाव्य और कृष्ण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
इकाई 4 रीतिकाल	4.1	रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
	4.2	रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
7. हिंदी साहित्य का इतिहास: डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
9. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास : नागरी प्रचारणी सभा

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities Hindi **Major 8**	**Semester – 5**
Course Title: साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार	**Course Code:** AHIN358MJ

COURSE OBJECTIVES:

1. साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार के अध्ययन से काव्य की परम्परा, काव्य आधार, विभिन्न आचार्यों द्वारा दिए गए काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन से छात्राओं को परिचित कराना | समाज में काव्य का महत्त्व समझाना |
2. साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार के पद्य एवं गद्य की विधाओं से परिचित कराना, जिसमें पुरातन संदर्भ में महाकाव्य,खंडकाव्य और नाटक तथा आधुनिक विधा जैसे उपन्यास के तत्वों का संज्ञान कराना|
3. भारतीय रस सिद्धांत का अध्ययन कराते हुए, उसके आधार पर रस के अंग, स्वरुप एवं उसके विविध प्रकारों का छात्राओं को ज्ञान देना साथ ही काव्य में रस का महत्त्व समझाना |
4. काव्य में प्रयुक्त छंद एवं अलंकारों से परिचित कराना और उसके लक्षणों और उदाहरणों द्वारा काव्य में उसके महत्त्व को समझाना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार के अध्ययन से छात्राएँ संस्कृत, पाश्चात्य एवं हिंदी विद्वानों द्वारा दिए गए काव्य लक्षणों को समझकर काव्य के आधार को जान पाएंगी | वे संस्कृत आचार्यों की काव्य के प्रति दृष्टि से परिचित होंगी | काव्य के प्रयोजन एवं हेतु जानकर समाज में, जीवन में काव्य के महत्त्व को समझते हुए, उससे आनंद प्राप्त करेंगी | उनमें साहित्य की समझ निर्माण होगी |
2. साहित्य समीक्षा : रस, छंद और अलंकार के पद्य एवं गद्य की विधाओं से परिचित होंगी, जिसमें पुरातन संदर्भ में महाकाव्य ,खंडकाव्य और नाटक तथा आधुनिक विधा जैसे उपन्यास के तत्वों का ज्ञान होगा | काव्य के लेखन -नियम से परिचित होकर कुछ रचनात्मक कार्य करने की ओर अग्रसर होंगी |
3. भारतीय रस सिद्धांत का अध्ययन करने से रस के अंग, स्वरुप एवं उसके विविध प्रकारों का छात्राओं को ज्ञान होगा साथ ही उनमें काव्य में रस के महत्त्व की समझ निर्माण होगी | काव्य मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी |
4. काव्य के कला-पक्ष, छंद एवं अलंकार को समझकर उसके काव्य में उपयोग के प्रति समझ प्राप्त करेंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1	1.1	साहित्य की परिभाषा और स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य)
	1.2	साहित्य के तत्त्व

साहित्य-समीक्षा	1.3	साहित्य हेतु
	1.4	साहित्य प्रयोजन
इकाई 2 गद्य और पद्य के विविध रुप	2.1	महाकाव्य : भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय
	2.2	खंडकाव्य स्वरूप और विशेषताएँ
	2.3	नाटक के तत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)
	2.4	उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
इकाई 3 रस	3.1	रस : अर्थ और परिभाषा
	3.2	रस के विविध अंग
	3.3	रस के भेद: सामान्य परिचय
इकाई 4 छंद एवं अलंकार	4.1	छंद : सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण मात्रिक छंद: i) चौपाई, ii) रोला, iii) दोहा, iv) कुंडलिया
	4.2	वर्णिक छंद: i) इन्द्रवज्रा, ii) शार्दुलविक्रीडित iii) भुजंगप्रयात iv) द्रुतविलंबित
	4.3	अलंकार : सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण शब्दालंकार : 1. अनुप्रास 2. यमक 3. श्लेष 4. वक्रोक्ति
	4.4	अर्थालंकार : 1. उपमा 2. रूपक 3. अतिशयोक्ति 4. उत्प्रेक्षा

संदर्भ :

1. काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय
2. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र
3. सिद्धांत के अध्ययन - बाबू गुलाबराय
4. काव्यशास्त्र - भगीरथी मिश्र
5. काव्य प्रदीप - श्री राम बहोरी शुक्ल
6. छंद प्रकाश - रघुनन्दन शास्त्री
7. भारतीय एवं पाश्चत्य काव्य सिद्धांत - गणपतिचन्द्र गुप्त
8. भारतीय काव्यशास्त्र -योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. भारतीय एवं पाश्चत्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा -रामचंद्र तिवारी
10. रस सिद्धांत - डॉ. नगेद्र

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 9**	**Semester – 5**
Course Title: हिंदी साहित्य : कुछ चयनित कृतियाँ	**Course Code:** AHIN359MJ

COURSE OBJECTIVES:

1. छात्राओं को चयनित कृतियों का आस्वादन कराना | साहित्य की विविध शैलियों के माध्यम से समाज एवं साहित्य के अंतरसम्बन्ध को समझाना |
2. चयनित कथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों, जीवन संघर्षों और सामाजिक समस्याओं के प्रति समझ निर्माण कराना|
3. चयनित कविताओं का छात्राओं से परिचय कराना तथा चयनित कविताओं के शिल्प, विषयवस्तु और भाषा की विशेषताओं से अवगत कराना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. छात्राएँ चयनित कृतियों का आस्वादन करते हुए, साहित्य संसार में प्रवेश कर उसके विविध शैलियों के माध्यम से समाज एवं साहित्य के अंतरसम्बन्ध को समझेंगी |
2. छात्राओं में चयनित कथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों, जीवन संघर्षों और सामाजिक समस्याओं प्रति समझ विकसित होगी |
3. छात्राएँ चयनित कविताओं के शिल्प, विषयवस्तु और भाषा की विशेषताओं से अवगत होंगी तथा मानवीय भावना और सामाजिक समस्याओं के प्रति उनमें समझ विकसित होगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)			**4**	
Total number of Hours in a Semester			**60**	
Credits			**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**		**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment		**--**	**50 marks**

इकाई 1 चयनित कथा साहित्य	1.1	ताई - विशम्भरनाथ शर्मा
	1.2	उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
	1.3	कफन - प्रेमचंद
इकाई 2 चयनित कथा साहित्य	2.1	भाभी - महादेवी वर्मा
	2.2	प्रायश्चित - भगवतीचरण शर्मा
	2.3	दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर
इकाई 3 चयनित कविताएँ	3.1	अरुण यह मधुमय देश हमारा : जयशंकर प्रसाद
	3.2	नीड़ का निर्माण - हरिवंशराय बच्चन
	3.3	मैं नीर भरी दुःख की बदली – महादेवी वर्मा
इकाई 4 चयनित कविताएँ	4.1	वो आदमी नहीं है (गजल) - दुष्यंत कुमार
	4.2	बीस साल बाद - सुदामा पांडेय धूमिल
	4.3	ठाकुर का कुआं -ओमप्रकाश वाल्मीकि

सन्दर्भ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ रामचंद्र तिवारी
2. आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ नामवर सिंह
3. संसद से सड़क तक - सुदामा पांडेय धूमिल
4. सायें में धूप - दुष्यंत कुमार
5. प्रतिनिधि कविताएँ - जयशंकर प्रसाद
6. हिंदी की प्रतिनिधि कहानियां - सम्पादक डॉ. कृष्णा रैना
7. दस प्रतिनिधि कहानियां - कमलेश्वर
8. प्रतिनिधि कविताएँ - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
9. मानसरोवर - प्रेमचंद
10. सांध्य-गीत - महादेवी वर्मा

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 10**	**Semester – 6**
Course Title: **हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल**	**Course Code:** AHIN3610MJ

COURSE OBJECTIVES:

1. आधुनिक काल के विविध युगों का नामकरण और काल विभाजन से छात्राओं को अवगत कराना और आधुनिक काल की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि पृष्ठभूमियों से परिचित कराना |
2. आधुनिक काल के भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नव कविता आदि की काव्यगत विशेषताओं से छात्राओं को परिचित कराना और उन युगों के साहित्य, साहित्यकारों का सन्ज्ञान कराना |
3. आधुनिक काल के गद्य साहित्य से उपन्यास, कहानी, नाटक के विकास को समझाना और उससे तत्कालीन परिस्थितियों को दर्शाते हुए साहित्य की परंपरा से अवगत कराना |
4. हिंदी साहित्य की अन्य अनेक विधाओं जैसे निबंध, आलोचना और आत्मकथा आदि के उद्भव और विकास यात्रा की जानकारी देना साथ ही प्रमुख रचना तथा रचनाकारों के बारे में बताना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. आधुनिक हिंदी साहित्य के पठन- पाठन से विद्यार्थी आधुनिक युग की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे। विभिन्न विद्वानों द्वारा किये गए आधुनिक काल के विभाजन और नामकरण से परिचित होंगे |
2. आधुनिक युग की रचनाओं की विशेषताओं के माध्यम से भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद , प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नव कविता काव्य की युगीन प्रवृत्तियों के अध्ययन से तत्कालीन रचनाओं के भाव पक्ष, कला पक्ष आदि की विशेषताओं से परिचित होंगे |
3. विद्यार्थियों को साहित्य की विविध विधाओं जैसे उपन्यास, नाटक, कहानी आदि विधाओं के उद्भव एवं विकास एवं सृजन प्रकिया की जानकारी होगी।
4. आधुनिक गद्य जैसे निबंध, आलोचना और आत्मकथा आदि के उद्भव और विकास यात्रा को समझेंगे, उनमें रचनात्मक कौशल का विकास होगा और गद्य साहित्य की सृजनात्मकता की ओर अग्रसर होंगे |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)			**4**	
Total number of Hours in a Semester			**60**	
Credits			**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**		**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment		**--**	**50 marks**

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

इकाई 1 आधुनिक काल की परिस्थितियां एवं काव्यान्दोलन	1.1	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ (राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक)
	1.2	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ (सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक)
	1.3	भारतेंदु युग की प्रवृतियाँ
	1.4	द्विवेदी युग की प्रवृतियाँ
इकाई 2 आधुनिक काल : काव्यान्दोलन	2.1	छायावाद युग की प्रवृतियाँ
	2.2	प्रगतिवाद की प्रवृतियाँ
	2.3	प्रयोगवाद की प्रवृतियाँ
	2.4	नव कविता की प्रवृतियाँ
इकाई 3 आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास	3.1	उपन्यास
	3.2	कहानी
	3.3	नाटक
इकाई 4 आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास	4.1	निबन्ध
	4.2	आलोचना
	4.3	आत्मकथा

संदर्भ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का संवेदनात्मक इतिहास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

6. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी
7. छायावाद - डॉ. नामवर सिंह
8. आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह
9. भारतेंदु हरिश्चंद्र - डॉ. रामविलास शर्मा
10. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा - डॉ. रामविलास शर्मा
11. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - डॉ. रामविलास शर्मा

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 11**	**Semester – 6**
Course Title: भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण	**Course Code:** AHIN3611MJ

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को भाषा की परिभाषा, उसके गुण और उसके महत्व तथा भाषा के विभिन्न रूपों जैसे बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा को समझाना | भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं जैसे वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, शब्द विज्ञान, ध्वनि विज्ञान और अर्थ विज्ञान का संक्षिप्त परिचय देना।
2. प्राचीन आर्यभाषा वैदिक एवं लौकिक संस्कृत से विद्यार्थियों का परिचय कराना तथा मध्यकाल की भाषा पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से हिंदी का विकास स्पष्ट कराना |
3. हिंदी भाषा की विविध बोलियों, उसकी संरचना और विकास को समझाना | साथ ही विविध बोलियों में खड़ी बोली, ब्रज, अवधी तथा भोजपुरी बोली का परिचय कराना |
4. हिंदी व्याकरण में समास, संधि, वाक्य संरचना में वाक्य के अर्थ एवं रचना के आधार पर भेद समझाना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, उसके गुण और उसके महत्व तथा भाषा के विभिन्न रूपों जैसे बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा से परिचित होंगे | भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं जैसे वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, शब्द विज्ञान, ध्वनि विज्ञान और अर्थ विज्ञान का संक्षिप्त परिचय प्राप्त करेंगे।
2. भारतीय आर्यभाषाओं की दीर्घ परम्परा से हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझेंगे |
3. विद्यार्थियों को हिंदी के शब्द समूह, विविध बोलियों और भाषाई संरचना का ज्ञान होगा |
4. विद्यार्थी हिंदी व्याकरण के नियमों से अवगत होंगे |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

	1.1	भाषा का अर्थ एवं परिभाषा
	1.2	भाषा की विशेषताएँ

इकाई 1 भाषा विज्ञान	1.3	भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय (ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान,)
	1.4	भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय (वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान)
इकाई 2 प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ	2.1	प्राचीन आर्यभाषा का परिचय एवं विशेषताएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
	2.2	मध्यकालीन आर्य भाषा का परिचय एवं विशेषताएँ : पालि, प्राकृत और अपभ्रंश
इकाई 3 हिंदी भाषा का विकास	3.1	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
	3.2	हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय (ब्रज, अवधी, भोजपुरी, खड़ी बोली)
	3.3	हिंदी का शब्द समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, संकर
इकाई 4 हिंदी व्याकरण	4.1	वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण (प्रयत्न और स्थान के आधार पर)
	4.2	शब्द विचार : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतर
	4.3	वाक्य विचार : रूप के आधार पर, अर्थ के आधार पर

संदर्भ :

1. भाषा विज्ञान -भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
3. शब्द विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी ध्वनियों का विकास - भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी व्याकरण -कामता प्रसाद गुरु
7. हिंदी भाषा की भूमिका - डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा
8. शैली विज्ञान – डॉ. नगेन्द्र
9. भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
10. हिंदी भाषा का विकास - श्यामसुन्दर दास

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 12**	**Semester – 6**
Course Title: स्वातंत्र्योत्तर हिंद साहित्य	**Course Code:** AHIN3612MJ

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को नाटक और ग़जल की मूल अवधारणा, उसका इतिहास एवं विकास के बारे में जानकारी देना।
2. आधे-अधूरे नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक, पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से, जीवन के यथार्थबोध से परिचित कराना।
3. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की आधुनिक विधा ग़ज़ल की जानकारी देकर उनमें गजल विधा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. दुष्यंत कुमार की गज़ल के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर भारत की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों को समझाना। विद्यार्थियों में वास्तविकता और संवेदनशीलता पर आधारित चिंतनशील दृष्टिकोण विकसित करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. विद्यार्थियों में नाटक और गजल की उत्पत्ति, विकास समझने की क्षमता निर्माण होगी तथा विद्यार्थी नाटक और गजल के तत्वों को समझकर उसे विश्लेषित कर सकेंगे।
2. आधे अधूरे नाटक में चित्रित पारिवारिक विघटन और सामाजिक बदलावों को विद्यार्थी न केवल समझेंगे बल्कि इनके मूल में निहित अस्तित्वपरक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, मानसिक कारणों पर भी विचार करने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी दुष्यंत कुमार की "साये में धूप" ग़ज़ल-संग्रह की कुछ ग़ज़लों के अध्ययन से गजल विधा के भाव पक्ष और कला पक्ष को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी गजल के माध्यम से स्वतंत्रता के बाद के राजनीतिक मोहभंग, सामाजिक असमानता और आम आदमी की पीड़ा का सजीव चित्रण देखकर उनमें समाज के दलित, पीड़ित लोगों के प्रति संवेदनशीलता एवं मानवीय चिंतन दृष्टि का विकास होगा। उनमें कलात्मक एवं रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 नाटक और गजल परम्परा और विकास	1.1	हिंदी नाटक का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप
	1.2	हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
	1.3	गज़ल का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप
	1.4	गज़ल का उद्भव और विकास
इकाई 2 आधे-अधूरे नाटक	2.1	नाटककार मोहन राकेश का परिचय
	2.2	आधे-अधूरे नाटक का पठन-पाठन
	2.3	नाटक के तत्वों के आधार पर आधे-अधूरे नाटक का विश्लेषण
	2.4	आधे - अधूरे नाटक का पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक दृष्टि से अध्ययन
इकाई 3 हिंदी गजल - साये में धूप	3.1	गजलकार दुष्यंत कुमार का परिचय
	3.2	कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए
	3.3	भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ
	3.4	हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए
इकाई 4 हिंदी गजल - साये में धूप	4.1	मत कहो, आकाश में कुहरा घना है
	4.2	ये जो शहतीर है पलकों पे उठा लो यारो
	4.3	पक गई है आदतें,, बातों से सर होंगी नहीं

संदर्भ :

1. आधे -अधूरे नाटक - मोहन राकेश
2. नाटक का उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
3. हिंदी नाटक -डॉ. बच्चन सिंह
4. मोहन राकेश आधे-अधूरे एक समीक्षा - रामईश्वर कुमार
5. रंगमंच के सिद्धांत - महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर
6. भारतीय एवं पाश्चत्य नाटक - सीताराम चतुर्वेदी
7. साये में धूप - दुष्यंत कुमार

8. प्रतिनिधि हिंदी गजल - सम्पादक प्रो. दत्तात्रय मुरुमकर
9. गज़ल का उद्भव और विकास - रोहिताश्व अस्थाना
10. हिंदी गज़ल व्यापकता और विकास - ज्ञानप्रकाश विवेक

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **DSE ELECTIVE 1**	**Semester – 5**
Course Title: हिंदी साहित्य की वैचारिक अन्तर्धाराएँ	**Course Code:** AHIN351E

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना। इसमें वेद के दार्शनिक पक्ष को समझाना। साहित्य में दर्शन के प्रभाव को स्पष्ट करना। भारतीय विचारकों महावीर, बुद्ध, कबीर , तुलसी एवं स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों का अध्ययन कराना।
2. छात्राओं को भारतीय नवजागरण आन्दोलन के माध्यम से आर्य समाज, ब्रह्म समाज, सत्यशोधक समाज इत्यादि की समाज सुधार में भूमिका से अवगत कराना|
3. गाँधीवादी चिंतन के प्रति अवगत कराना और हिंदी साहित्य में गाँधीवादी चिंतन के प्रभाव को लक्षित कराना | सामाजिक, वैचारिक अंतर्धाराओं के माध्यम से साहित्य का निर्माण समझाना, वैचारिक अन्तर्धाराएँ साहित्य को आकार देती है; यहीं से आधुनिकता की शुरुआत हुई है, यह समझ निर्माण करना | छात्राओं को मार्क्सवादी विचारों से अवगत कराना, हिंदी साहित्य में मार्क्सवादी विचारों के प्रभाव से परिचित कराना।
4. छात्राओं को मनोविश्लेषणवाद के पाश्चात्य विचारक फ्रायड, युंग एवं एडलर आदि के विचारों से अवगत कराना | उनसे प्रभावित हिंदी साहित्य एवं हिंदी रचनाकार जैसे जेनेंद्र, अज्ञेय, इलाचंद्र जोशी आदि की विचारधाराओं से परिचित कराना ।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा की गहराई को समझ सकेंगे और उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे। वेद के माध्यम से साहित्य और दर्शन के अंतर्संबंध को समझने में सक्षम होंगे। भारतीय मनीषियों के विचारों को आत्मसात कर विद्यार्थियों में चिंतनशीलता, तार्किकता और मूल्यबोध विकसित होगा।
2. छात्राएँ हिंदी नवजागरण की प्रमुख पृष्ठभूमि में राजनीतिक घटनाओं, सामाजिक स्थितियों, तत्कालीन परिवेश से अवगत होंगी | उनमें देश और समाज के प्रति सजगता उत्पन्न होगी |
3. छात्राएँ कालमार्क्स की विचारधारा को समझेंगी तथा सामाजिक न्याय, सामाजिक जिम्मेदारी से परिचित होंगी और साहित्यिक कलापक्ष से अवगत होंगे | छात्राएँ गाँधी जी की विचारधारा को जान पाएंगी और उन्हें मानवीय मूल्य, धार्मिकता, सामाजिकता का संज्ञान होगा, जिससे सामाजिक कार्यों में उनकी रूचि निर्मित होगी |
4. मनोविश्लेषणवाद को जानने के बाद छात्राएँ मानवीय भावनाओं, मानसिक गुत्थियों को जान पाएंगी | साहित्य के पात्रों के अंतरद्वंदों से उपजे मनोवैज्ञानिक, आतंरिक स्थितियों को बेहतर समझ पाएंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)	**4**
Total number of Hours in a Semester	**60**
Credits	**4**

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 भारतीय ज्ञान परम्परा : दर्शन एवं विचारक	1.1	वेदों का सामान्य परिचय : ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद
	1.2	महावीर, बुद्ध, कबीर, तुलसी, स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत
	1.3	साहित्य में दर्शन का प्रभाव
इकाई 2 भारतीय नवजागरण आंदोलन	2.1	भारतीय नवजागरण अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	2.2	भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव
	2.3	ब्रह्म समाज, सत्यशोधक समाज, आर्य समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ
इकाई 3 मार्क्सवाद एवं गांधीवादी चिंतन	3.1	कालमार्क्स का परिचय ,मार्क्सवादी सिद्धांत
	3.2	मार्क्सवाद : हिंदी साहित्य पर प्रभाव
	3.3	गांधीवादी चिंतन का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	3.4	गांधीवाद : हिंदी साहित्य पर प्रभाव
इकाई 4 मनोविश्लेषणवाद	4.1	मनोविश्लेषणवाद का अर्थ, परिभाषा
	4.2	युंग ,एडलर ,सिगमंड फ्राइड का परिचय
	4.3	फ्री - एसोसिएशन पद्धति
	4.4	मनोविश्लेषणवाद का हिंदी साहित्य पर प्रभाव

संदर्भ :

1. भारतीय ज्ञान परंपरा विविध आयाम - प्रो. सरोज शर्मा
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक - रजनीश कुमार शुक्ल
3. हिंदी साहित्य में प्रतिबंधित चिंतन प्रवाह - सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी
4. मनोविश्लेषण - सिगमंड फ्राइड
5. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - शिवकुमार मिश्र

6. महात्मा गाांधी के विचार, आर. के. प्रभु तथा यू. आर. राव
7. भारतीय नवजागरण एक असमाप्त सफर, शम्भूनाथ
8. पाश्चत्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपध्याय
9. पाश्चत्य काव्यशास्त्र, इतिहास ,सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपति चन्द्र गुप्त

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **DSE ELECTIVE 2**	**Semester – 5**
Course Title: विमर्श साहित्य (किन्नर विमर्श)	**Course Code:** AHIN352E

COURSE OBJECTIVES:

1. विमर्श का अर्थ, स्वरुप एवं उसके इतिहास से परिचित कराना और किन्नरों के अधिकारों, संघर्षों और समाज में उनके योगदान को समझना |
2. छात्राओं को किन्नर साहित्य और हिंदी साहित्य में उसके योगदान को समझाना | हिंदी साहित्य में किन्नर साहित्य के विकास से परिचित कराना | साहित्य के माध्यम से किन्नरों की तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत कराना |
3. उपन्यास के अध्ययन से छात्राओं को किन्नर समुदाय के जीवन-संघर्ष, सामाजिक उपेक्षा और उनकी अस्मिता से अवगत कराना |
4. उपन्यास के माध्यम से छात्राओं को किन्नर समुदाय की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों की समझ निर्माण कराना ।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. छात्राएँ विमर्श का अर्थ, स्वरुप एवं उसके इतिहास से परिचित होंगी | विविध विमर्शों की पहचान, संस्कृति और उनकी समाज में भूमिका से अवगत होंगी |
2. छात्राएं किन्नर साहित्य के महत्व और उसके समाज में योगदान को समझेंगी। वे साहित्य के माध्यम से सामाजिक बदलाव तथा किन्नरों की तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होंगी |
3. उपन्यास के अध्ययन से छात्राओं में किन्नर समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और सामाजिक समझ निर्माण होगी | वे साहित्य के माध्यम से सामाजिक असमानता और भेदभाव के विरुद्ध जागरूक एवं विचारशील बनेंगी ।
4. उपन्यास के पठन-पाठन से छात्राओं को किन्नर समुदाय की स्थितियों, अधिकारों, समस्याओं और संघर्षों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से समझने में सक्षम होंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 विविध विमर्श साहित्य	1.1	विमर्श का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप
	1.2	स्त्री विमर्श, दलित विमर्श का सामान्य परिचय ,
	1.3	आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श का सामान्य परिचय
इकाई 2 किन्नर विमर्श एवं साहित्य का परिचय	2.1	किन्नर शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा
	2.2.	किन्नर साहित्यकारों का परिचय
	2.3	हिंदी साहित्य में किन्नर साहित्य का विकास
इकाई 3 यमदीप : नीरजा माधव (उपन्यास)	3.1	लेखिका परिचय : नीरजा माधव
	3.2	यमदीप उपन्यास का पठन - पाठन
	3.3	यमदीप उपन्यास में चारित्रिक विशेषताएँ
इकाई 4 यमदीप : नीरजा माधव	4.1	यमदीप राजनीतिक दृष्टिकोण द्वारा विश्लेषण
	4.2	यमदीप सामाजिक दृष्टिकोण द्वारा विश्लेषण
	4.3	यमदीप आर्थिक दृष्टिकोण द्वारा विश्लेषण

संदर्भ :

1. किन्नर - विमर्श-शिक्षा, समाज और साहित्य, बिन्द कुमार चौहान और संगीत कुमारी पाससी
2. किन्नर विमर्श - कल आज और कल, सफलता सरोज
3. किन्नर लोकसाहित्य, डॉ बंशी राम शर्मा
4. किन्नर समाज और साहित्य, खन्ना प्रसाद अमीन
5. किन्नर धर्मलोक, कृष्णनाथ
6. यमदीप -नीरजा माधव

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities DSE ELECTIVE 1	**Semester – 6**
Course Title: हिन्दी साहित्य :विविध विमर्श	**Course Code:** AHIN361E

COURSE OBJECTIVES:

1. दलित चेतना के विभिन्न आयामों के माध्यम से दलितों की विविध समस्याओं एवं सामाजिक स्तर की जानकारी देना | दलित रचनाकारों की लेखन शैली से रु - ब-रु करवाना |
2. दलित साहित्यकारों द्वारा लिखित दलित कहानियों के माध्यम से छात्राओं को दलित जीवन, संस्कृति और पीड़ा से परिचित कराना |
3. आदिवासी - विमर्श के विभिन्न पहलुओं – भावपक्ष एवं कलापक्ष से छात्राओं को अवगत कराना।
4. आदिवासी उपन्यास के माध्यम से आदिवासियों की जीवन शैली, विविध परिस्थितियों. संघर्षों एवं भाषा शैली से परिचित कराना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. छात्राएं दलित विमर्श की विभिन्न अवधारणाओं को जान पाएंगे।
2. दलित साहित्यकारों द्वारा लिखित दलित कहानियों के अध्ययन से छात्राएं दलित जीवन, संस्कृति और पीड़ा से परिचित होंगी |
3. हाशिये पर जी रहे आदिवासियों की विभिन्न समस्याओं को जानकर उनके प्रति उनमें संवेदनशीलता जागृत होगी | आदिवासी साहित्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष से छात्राएं अवगत होंगी |
4. उपन्यास के माध्यम से आदिवासी जीवन की संस्कृति, समाज और भाषा से परिचित होंगे |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 दलित विमर्श	1.1	दलित विमर्श का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप
	1.2	दलित विमर्श की अवधारणा
	1.3	हिंदी साहित्य पर आम्बेडकरवादी विचारधारा का प्रभाव
	2.1	सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई 2 दलित साहित्य : कहानियां	2.2	साजिश - सूरजपाल चौहान
	2.3	सिलिया - सुशीला टाकभौरे
	2.4	नो बार - जयप्रकाश कर्दम
इकाई 3 आदिवासी - विमर्श	3.1	आदिवासी का अर्थ ,परिभाषा एवं स्वरुप
	3.2	हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श
इकाई 4 आदिवासी साहित्य : "जंगल के गीत" [लघु उपन्यास]	4.1	लेखक परिचय : पीटर पॉल एक्का
	4.2	जंगल के गीत - पठन - पाठन
	4.3	जंगल का गीत - सामजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक दृष्टि से चर्चा
	4.4	आदिवासी - विमर्श के संदर्भ में उपन्यास पर चर्चा

संदर्भ :

1. दलित साहित्य का समाजशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकी
2. सलाम - ओम प्रकाश वाल्मीकि
3. हैरी कब आएगा - सूरजपाल चौहान
4. जरा समझो - सुशीला टाकभौरे
5. बीसवीं शताब्दी की अंतिम द्विदशक की हिन्दी कहानी में दलित जीवन - डॉ. गौतम सोनकांबले
6. आदिवासी साहित्य का उभरता परिदृश्य — महादेव टोप्पो
7. समकालीन आदिवासी-विमर्श — डॉ. सविता टांक
8. आदिवासी जीवन और संजीव के उपन्यास — डॉ. सुनील दशरथ चव्हाण
9. हिन्दी आदिवासी साहित्य की विकास-यात्रा — डॉ. गौतम भाईदास कुँवर
10. निर्मला पुतुल का काव्य : आदिवासी-विमर्श — डॉ. प्रवीण मन्मथ केन्द्रे
11. खुला आसमान बंद दिशाएं - पीटर पॉल एक्का
12. पलास के फूल - पीटर पॉल एक्का
13. परती जमीन - पीटर पॉल एक्का
14. जंगल के गीत -पीटर पॉल एक्का
15. नो बार - जयप्रकाश कर्दम

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **DSE ELECTIVE 2**	**Semester – 6**
Course Title : प्रवासी साहित्य	**Course Code:** AHIN362E

COURSE OBJECTIVES:

1. छात्राओं को प्रवासी साहित्य के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप से परिचित कराना |
2. छात्राओं को प्रवासी साहित्यकारों से परिचित कराना और प्रवासी साहित्य की विकास यात्रा को समझाना |
3. प्रवासी साहित्यकारों की प्रमुख कहानियों के अध्ययन से प्रवासी जीवन के सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवारिक और सांस्कृतिक संघर्षों से परिचित कराना।
4. छात्राओं में प्रवासी साहित्य की प्रमुख कहानियों के आस्वादन एवं आकलन की क्षमता निर्माण कराना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. छात्राएं प्रवासी साहित्य के अर्थ, स्वरुप एवं अवधारणाओं से परिचित होंगी |
2. छात्राएं प्रवासी साहित्यकारों की लेखनी से परिचित होंगी और प्रवासी साहित्य की विकास यात्रा को समझेंगी |
3. छात्राएं चयनित प्रवासी कहानियों द्वारा उसमें वर्णित पात्रों के अनुभवों, मानसिक द्वंद्व और सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक एवं सांस्कृतिक टकरावों को समझेंगी।
4. प्रवासी साहित्य की प्रमुख कहानियों के आस्वादन से छात्राओं में विदेशी संस्कृति एवं समाज की समझ निर्माण होगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1	1.1	प्रवासी साहित्य का अर्थ
	1.2	परिभाषा

प्रवासी साहित्य	1.3	स्वरुप
इकाई 2 प्रवासी साहित्य का विकास	2.1	प्रवासी साहित्यकारों का परिचय
	2.2	प्रवासी साहित्य की विकास यात्रा
इकाई 3 प्रवासी साहित्य की चयनित कहानियां	3.1	मैंने नाता तोड़ा [सुषम बेदी]
	3.2	वह रात [उषा राजे सक्सेना]
	3.3	बेघर आँखे [तेजेन्द्र शर्मा]
इकाई 4 प्रवासी साहित्य की चयनित कहानियाँ	4.1	कुरुक्षेत्र का धर्मयुद्ध [अभिमन्यु अनंत]
	4.2	करोना चिल्ला [दिव्या माथुर]
	4.3	खिड़कियों से झाँकती आंखे [सुधा ओम ढींगरा]

संदर्भ :

1. प्रवासी हिन्दी साहित्य : संतोष सिंह
2. वह रात और अन्य कहानियाँ - उषा राजे सक्सेना
3. बेघर आँखे - तेजेंद्र शर्मा
4. अब कल आएगा यमराज - अभिमन्यु अनंत
5. खिड़कियों से झाँकती आंखे - सुधा ओम ढींगरा
6. प्रवासिनी के बोल : अंजना संधीर
7. प्रवासी संवेदनशीलता, शैली, साहित्यिक सिद्धांत, सीमांत : एरिक
8. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा: प्रदीप श्रीधर
9. प्रवासी साहित्य अस्मिता का द्वंद्व: डॉ सिंधु सुमन

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities Hindi Minor 5	**Semester – 5**
Course Title: हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ	**Course Code:** AHIN355MN

COURSE OBJECTIVES:

1. छात्राओं को हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ जैसे- संस्मरण, रेखाचित्र और निबंध आदि से परिचित कराना |
2. संस्मरण और रेखाचित्र द्वारा छात्राओं को आपसी आत्मीयता का परिचय कराना और व्यक्ति-चरित्र, मनोवैज्ञानिक भाव समझाकर उनमें नैतिक गुणों का विकास कराना | साथ ही भाषिक कलापक्ष से अवगत कराना |
3. निबंध विधा के माध्यम से छात्राओं में वैचारिकता को बढ़ावा दिलाना | उनमें मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण कराना और वर्तमान समस्याओं एवं परिस्थितियों को साहित्य के माध्यम से समझाना | संस्मरण और निबंध लेखन करने में सक्षम करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. छात्राएँ हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ जैसे - संस्मरण, रेखाचित्र, निबंध आदि से परिचित होंगी और साहित्यकारों से भी परिचित होंगी |
2. संस्मरण और रेखाचित्र के अध्ययन द्वारा छात्राओं में आपसी आत्मीयता निर्मित होगी | उनकी वैयक्तिक क्रांति होगी| उनमें नैतिकता, सामाजिकता आदि को समझने की क्षमता का विकास होगा साथ ही भाषिक कलापक्ष से अवगत होंगी |
3. निबंध विधा के माध्यम से छात्राओं में वैचारिक क्षमता विकसित होगी | उनमें मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी और वर्तमान समस्याओं एवं परिस्थितियों को साहित्य के माध्यम से समझेंगी | संस्मरण और निबंध लेखन करने में सक्षम होंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**2**	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		**2**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**1 Hour**	**30 marks**
	Cumulative Assessment	**-**	**20 marks**

इकाई 1 हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ : रेखाचित्र और संस्मरण	1.1	भक्तिन - महादेवी वर्मा
	1.2	रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी
	1.3	ये हैं प्रोफ़ेसर शंशाक - विष्णुकांत शास्त्री
इकाई 2 हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ : निबंध	2.1	ठिठुरता हुआ गणतंत्र -हरिशंकर परसाई
	2.2	तुम कब जाओगे, अतिथि - शरद जोशी
	2.3	बुद्धिजीवी -शंकर पुणताम्बेकर

संदर्भ :

1. निबंध मञ्जूषा - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय
2. हिंदी गद्य का साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
3. आधुनिक हिंदी गदय का साहित्य - हरदयाल
4. हिंदी रेखाचित्र - हरवंशलाल शर्मा
5. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - ज्योतीश्वर मिश्र

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities Hindi **Minor 6**	**Semester – 6**
Course Title: कार्यालयीन हिंदी	**Course Code:** AHIN366MN

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी के बारे में जानकारी देना | हिंदी के व्यावहारिक रुप का परिचिय देकर व्यावहारिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर की ओर अग्रसर कराना |
2. विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी के प्रयोग, स्वरूप और कार्यक्षेत्र को समझाना| कार्यालयीन हिंदी साहित्यिक और सामान्य हिंदी के बीच के अंतर को स्पष्ट करना |
3. विद्यार्थियों को शासकीय और अर्धशासकीय पत्र, परिपत्र, निविदा, अधिसूचना, आदि के प्राविधि की जानकारी प्रदान कराना। इसके अलावा, कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग को समझाना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

1. विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी के बारे में जानकारी होगी | हिंदी के व्यावहारिक रुप से परिचित होकर वे व्यावहारिक क्षेत्र में हिंदी में रोजगार के प्रति सजग होंगे |
2. विद्यार्थी कार्यालयीन हिंदी के प्रयोग, स्वरूप और कार्यक्षेत्र को समझेंगे | कार्यालयीन हिंदी साहित्यिक और सामान्य हिंदी के बीच अंतर को जानकर कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग सीखेंगे |
3. विद्यार्थियों को शासकीय और अर्धशासकीय पत्र, परिपत्र, निविदा, अधिसूचना,आदि के निर्माण की जानकारी होगी। कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग को जानने से तकनीकि कार्यों में हिंदी के प्रयोग में वे सक्षम होंगे।

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**2**	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		**2**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**1 Hour**	**30 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**20 marks**

इकाई 1 कार्यालयीन हिंदी का स्वरुप	1.1	कार्यालयीन हिंदी का स्वरुप, क्षेत्र और उद्देश्य
	1.2	कार्यालयीन हिंदी, साहित्यिक हिंदी और सामान्य हिंदी का परिचय
	1.3	राष्ट्रभाषा, राज्यभाषा, राजभाषा का परिचय
	1.4	कार्यालयीन हिंदी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली का परिचय
इकाई 2 कार्यालयीन व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग	2.1	शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र
	2.2	परिपत्र एवं निविदा
	2.3	अधिसूचना एवं विज्ञापन
	2.4	कंप्यूटर में हिंदी का प्रयोग

संदर्भ :

1. कार्यालयीन हिंदी एवं एवं भाषा कंप्यूटिंग - डॉ. एस. के शर्मा
2. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता : कृष्ण कुमार रत्तू
3. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
4. इन्टरनेट : शशि शुक्ला
5. कार्यालयीन हिंदी और कंप्यूटर - डॉ पुष्पलता
6. कार्यालयीन हिंदी और कंप्यूटर - डॉ. शशिकिरण सिंह

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

For 4 Credit Papers (Major and DSE) – CA + SA = 100 marks Continuous Assessment (CA) (50 marks)

1. A minimum of two activities will be given in each semester.
2. Each will be for 25 marks.
3. The nature of the activities will be decided by the Examiner and may include Assignment/ MCQs/ Short notes and/or any other type of /combination of objective or descriptive type activity.
4. Learners will be informed about the marks they have got before the Summative Assessment.

Summative Assessment (SA) (50 marks)

Duration: 2 hours

1. The Question Paper will cover all four units of the syllabus.
2. There will be Four mandatory questions:
    - Question I : Attempt any one out of two (12marks)
    - Question II : Attempt any one out of two (12marks)
    - Question III : Attempt any one out of two (12 marks)
    - Question IV : Attempt any two out of four (14 marks)
3. In each question, each option will be from a different unit.

For 2 Credit Papers (Minor) – CA + SA = 50 marks

Continuous Assessment (CA) (20 marks)

5. A minimum of two activities will be given in each semester.
6. Each will be for 10 marks.
7. The nature of the activity will be decided by the Examiner and may include Assignment/ MCQs/ Short notes and/or any other type of /combination of objective or descriptive type activity.
8. Learners will be informed about the marks they have got before the Summative Assessment.

Summative Assessment (SA) (30 marks)

Duration: 1 hour

4. The Question Paper will cover all two units of the syllabus.
5. There will be three mandatory questions:
    - Question I : Attempt any one out of two (10 marks)
    - Question II : Attempt any one out of two (10 marks)
    - Question III : Attempt any one out of two (10 marks)
6. In each question, each option will be from a different unit.

****